भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 786 #

गुरूवार, 8 फरवरी, 2024/19 माघ, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देना

786 # श्री आदित्य प्रसाद:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा झारखंड राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कौन-कौन सी योजनायें चलाई जा रही है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा इन योजनाओं/परियोजनाओं के लिए गत चार वर्षों के दौरान जिला-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है और जारी की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत झारखंड राज्य में एक परियोजना को स्वीकृति दी है। परियोजना का विवरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु. में)

परिपथ और स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
इको परिपथ 2018-19	डलमा - बेटला राष्ट्रीय उद्यान - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44	28.04

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के लिए 'चांदिल' गंतव्य को चिह्नित किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत 36.79 करोड़ रु. से 'झारखंड के देवगढ़ में बैद्यनाथजी धाम' परियोजना को स्वीकृति दी थी। यह परियोजना अब पूरी हो चुकी है और आम जनता के लिए खोल दी गई है। इस परियोजना के लिए 34.95 करोड़ रु. की राशि जारी की गई थी।

डीपीपीएच योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा झारखंड में मेलों और महोत्सवों के लिए निम्नानुसार निधियां स्वीकृत की गई थीं:-

(लाख रु. में)

वर्ष	**मेलों और महोत्सवों का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
2017-18	इटखोरी महोत्सव	25.00	25.00
2019-20	भैरवनाथ महोत्सव	25.00	25.00
	शरद महोत्सव, नेहतरहाट	25.00	25.00

(ख): पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों को जिला-वार निधियां आवंटित नहीं करता है।

*****